

2<sup>nd</sup> episodeScience and spiritualityQuantum Theory of consciousness**1)Voice over**

नए दौर की science और spirituality द्वारा दिए गए अलग अलग तथ्य बिना शरीर के भी अस्तित्व और चेतना के अमर होने की तरफ ही संकेत देते हैं

**2) Bk anchor**

जैसे की हम पहले भी बात कर चुके हैं सभी वैज्ञानिकों और दार्शनिकों ने अपने अपने अध्ययन के अनुसार आत्मा को मन के साथ जोड़ा है जो विचार मन में आते हैं वह आत्मा के ही हैं

**3) voice over**

नए वैज्ञानिक दौर मे चेतना को कांशसनेस कहा है और मस्तिष्क एक शारीरिक हिस्सा है और मन को आत्मा से संबंधित बताया है मन और मस्तिष्क अलग-अलग है

**4) philosopher / writer****5) voice over**

मृत्यु के बाद जीवन के संदर्भ में चेतना समाज और संस्कृति में एक महत्वपूर्ण विषय है। कई लोग मृत्यु के बाद किसी तरह के जीवन में विश्वास करते हैं, जो कई धर्मों की एक विशेषता है। मृत्यु सभी जैविक कार्यों की समाप्ति है जैसे दिल की धड़कन (cardiac arrest) और श्वास की समाप्ति के रूप में इसे परिभाषित किया जाता है

**6) spiritual / philosopher****7 bk anchor**

यह एक समान्य समझ हैं यदि कोई मनुष्य आत्मा इस धरती पर कर्म कर रही हैं तो आवश्य सभी मनुष्य अत्माओं का विचार यही होगा कि हमारा अस्तित्व मृत्यु के बाद भी हो कोई भी यह नहीं चाहेगा कि हमारा अस्तित्व हमेश के लिए समाप्त हो जाए इसलिए सभी जैविक कार्यों की समाप्ति और श्वास की समाप्ति के बाद हर धर्म विचारक और वैज्ञानिक चेतना के होने पर विश्वास महत्वपूर्ण समझते हैं

8) voice over

हम कौन हैं??

जन्म से पहले हम कहां थे?

मृत्यु के बाद कहां होंगे ??

आखिर मनुष्य आत्मा कहां से आई है ??

क्या आत्माओं की कोई दुनिया है?? जहां से आत्माएं आई है..?

9) any scientist view about consciousness

10) voice over

चेतना जागरूकता की स्थिति या गुणवत्ता है जागरूक होने के बारे में चेतना को अलग-अलग व्यक्तित्व, जागरूकता, योग्यता, आत्मीयता, अनुभव या अनुभव करने की क्षमता, जागृति, आत्मा की भावना के रूप में परिभाषित किया गया है, तथ्य यह है कि चेतना को मन की कार्यकारी नियंत्रण प्रणाली भी कहा जाता है

11) bk anchor

चेतना वह नियंत्रण प्रणाली है जिसके आधार पर भौतिक शरीर को नियंत्रण किया जाता है चेतना दिखाई नहीं देती लेकिन सचेत अनुभव होने के कारण चेतना को आंतरिक रूप से ही समझा जाता है इसी आधार पर वैज्ञानिक चेतना के गैर भौतिक विश्वास होने पर अवैज्ञानिक होना नहीं समझाते लेकिन चेतना की परिभाषा में कठिनाई होने के कारण यह मुद्दा विवादित रहा है

12) philosopher

13) voice over

चेतन आत्मा की परिभाषा में कठिनाई के बावजूद, कई दार्शनिकों का मानना है कि चेतना व्यापक रूप से अंतर्निहित अंतर्ज्ञान है। Max Velmans and Susan Schneider ने The Blackwell Companion to Consciousness में लिखा है कि "कुछ है जिसे हम किसी क्षण में महसूस करते हैं, और चेतना का हिस्सा होते हैं, हमारे जीवन का सबसे परिचित और सबसे रहस्यमय पहलू यह है जब हम जागरूक अनुभव करते हैं।"

14) Bk anchor

science and spirituality के अनुसार सवाल आत्मा या कांशसनेस के अमर होने का हैं और अवश्य यह विश्वास बन चुका हैं कि बिना शरीर के भी मनुष्य आत्मा अनुभव में रह सकती है शरीर नष्ट हो जाता है और चेतन आत्मा जीवित रहती हैं तो पूर्व में भी हमारा अस्तित्व रहा हैं और आगे भी रहेगा

**15) physicist**

**16) voice over**

क्वांटम स्पष्टीकरण द्वारा पिछले वैज्ञानिक दौर में परिवर्तन आया है और अमर आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार भी किया है क्वांटम स्पष्टीकरण के द्वारा साइंस और spirituality ने हाथ मिलाया है

वे क्या क्वांटम स्पष्टीकरण हैं जिनके द्वारा साइंस और spirituality ने हाथ मिलाया है..?

और वह कौनसे नियर डेथ एक्सपीरियंस हैं जो क्वांटम फ़िल्ड थोरी द्वारा सुलझाएं गए थे...??

**17) physicist**

**18) philosopher**

**19) voice-over**

डेसकार्ट्स के समय से, पश्चिमी दार्शनिकों ने चेतना की प्रकृति को समझने और इसके आवश्यक गुणों की पहचान करने के लिए संघर्ष किया है।

क्या चेतना को कभी यंत्रवत् समझाया जा सकता है????

क्या गैर-मानव चेतना मौजूद है और यदि ऐसा है तो इसे कैसे पहचाना जा सकता है??

**20) philosopher / writer**

**21) voice over**

चेतना शब्द का अर्थ कई शताब्दियों से चर्चा में चला आया है औपचारिक परिभाषाओं से संबंधित कुछ संदिग्ध अर्थों से जुड़ा हुआ है। इन औपनिवेशिक अर्थों की सीमा को इंगित करने वाली एक औपचारिक परिभाषा वेबस्टर के तीसरे न्यू इंटरनेशनल डिक्शनरी में दी गई है कि चेतना या जागरूकता या एक आवक मनोवैज्ञानिक या आध्यात्मिक तथ्य की धारणा हैं

**21) Bk anchor**

किसी के अंदरूनी आत्म में गहन ज्ञान या तथ्य के बारे में जागरूकता संबंधित जागरूकता रुचि, विशेषण संज्ञा के साथ प्रयोग किया जाता है। चेतना वह गतिविधि हैं जो भावना, संकल्प, या विचार से होती हैं: व्यापक अर्थों में चेतना को मन भी कहा गया है

**22) philosopher / writer**

**23) Bk anchor**

प्रकृति में कुछ है जो भौतिक दुनिया से अलग है। संवेदना, धारणाओं, विचारों, दृष्टिकोणों और भावनाओं के मनोविज्ञान में समग्रता, जो व्यक्ति या समूह किसी भी समय या किसी विशेष समय के भीतर जागरूक होता है, और विस्तार की धारा की तुलना करता है। "

24) voice over

मन के दर्शन ने चेतना के बारे में कई सवालों को जन्म दिया है। द रूटलेज इनसाइक्लोपीडिया ऑफ फिलोसोफी 1 99 8 में चेतना को इस प्रकार परिभाषित किया गया है कि चेतना-दार्शनिकों ने कुछ मुख्य विशेषों के लिए 'चेतना' शब्द का प्रयोग किया है जैसे intentionality ज्ञान आत्मनिरीक्षण (और यह ज्ञान विशेष रूप से उत्पन्न करता है) और अभूतपूर्व अनुभव जैसे किसी का मन कुछ 'आत्मसंयोजक रूप से जागरूक रहता है'

25) philosopher / writer

26) BK anchor

आत्मनिरीक्षण अक्सर मानसिक जीवन का प्राथमिक ज्ञान देने के बारे में सोचा जाता है। एक अनुभव या अन्य मानसिक इकाई 'विचित्र रूप से जागरूक' है, 'जागरूक अनुभव' कुछ ऐसा होता है जैसे किसी के पास कुछ अभौतिक अनुभव हो। स्पष्ट उदाहरण हैं: अनुभवजन्य अनुभव, जैसे कि कल्पनाशील अनुभव, विचारों की धाराये, जैसा कि 'शब्दों में' या 'चित्रों' में सोचने के अनुभव में जागरूक अनुभव करना

27) physicist

28) writer / philosopher

29) voice over

क्या मानव आत्मा का विषय विज्ञान द्वारा समझाया जा सकता है? चेतना के विवादास्पद क्वांटम थ्योरी ने हाल ही में एक समीक्षा की थी "Orch OR" "ऑर्कस्ट्रेटेड ऑडी कमीशन" द्वारा इस विचार का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि मस्तिष्क न्यूरॉन्स के अंदर "microtubules" में quantum vibrations की खोज से उनके विश्वासों की पुष्टि होती है।

30) bk anchor

एक रिपोर्ट में, स्टीफन हॉकिंग का मानना है आज तक, मानव मस्तिष्क अभी भी कई मक्सदों पर सुपर कम्प्यूटर को पीछे छोड़ता है।

31) Neuro scientist about brain power

32) bk anchor

विश्व प्रख्यात वैज्ञानिक इस बात से प्रभावित है कि मस्तिष्क में अद्भुत विचारणीय शक्ति कहां से और कैसे आती है जिसके आधार पर विश्व प्रख्यात विज्ञानिकों ने मस्तिष्क में विचारणीय शक्ति को सुपर कंप्यूटर से भी शक्तिशाली और तेज बताया है यह एक अद्भुत विचार विशेष रूप से साइंस में अनेकों सवालों को जन्म देता है

33) any scientist about mind and brain power difference

34) Bk anchor

विज्ञान चेतन आत्मा के संदर्भ में विचार करने पर हमेशा से मजबूर रहा है और इसी आधार पर वैज्ञानिक चेतना की अद्भुत गोपनीय शक्ति को वैज्ञानिक रीति से लगातार खोज करने में लगे हैं लेकिन जहां विषय चेतन आत्मा के अमृता के अस्तित्व के बारे में आता है तो विज्ञान चेतन आत्मा के अस्तित्व को ज्यादा महत्व ना देकर पीछे हटती रही है इसी कारण चेतन आत्मा के संदर्भ में दार्शनिकों और वैज्ञानिकों ने बहुत सालों के लिए बहस की है,

35) Voice over

लेकिन आज के आधुनिक विज्ञानिक दौर के अनुसार चेतना कहीं जाने वाली आत्मा के वैज्ञानिक सबूत मिलने के कारण वैज्ञानिक सिद्धांत science and spirituality को जोड़ रहे हैं

36) physicist

37) voice over

भौतिकवाद के पक्ष में, कुछ वैज्ञानिक दावा करते हैं कि आत्मा या चेतना को मानव मस्तिष्क में neural networks के भीतर आयोजित किए गए कम्प्यूटेशंस द्वारा समझाया जा सकता है, जिसका अर्थ है कि चेतना को एल्गोरिदम द्वारा समझाया जा सकता है। अन्य वैज्ञानिकों का मानना है कि क्वांटम प्रक्रियाएं मानव चेतना के अनुभव को उत्पन्न करने के लिए, अवलोकनत्मक तंत्रिका संबंधी प्रक्रियाओं के साझेदारी में मानव आत्मा को जिम्मेदार ठहराया गया हैं,

38) physicist

39) neuro scientist

40) philosopher / writer

## 41) Voice over

वैज्ञानिकों का दावा है कि मानव मस्तिष्क एक क्वांटम कंप्यूटर है, और qubits की सूचनात्मक स्थिति मानव आत्मा से प्रभावित होती है। ऐसा ही एक वैज्ञानिक स्टुअर्ट हामिरॉफ, एरिज़ोना विश्वविद्यालय में एनेस्थिसियोलॉजी और मनोविज्ञान विभाग और चेतना अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर एमेरिटस हैं। वह और सर रोजर पेनरोज, गणितीय भौतिक विज्ञानी गणितीय संस्थान और वाधम कॉलेज और यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, मानते हैं कि मस्तिष्क में क्वांटम स्तर पर सूक्ष्म-सूक्ष्म कंपन निकलते हैं। "चेतना की उत्पत्ति ब्रह्मांड में हमारी जगह को दर्शाती है, अधिकांश वैज्ञानिक कहते हैं चेतना के विचार मस्तिष्क न्यूरॉन्स के बीच जटिल कम्प्यूटेशंस से विकसित होती हैं ,

## 42) Bk anchor

डेली साइंस के मुताबिक, वर्तमान में इस समीक्षा में हमरॉफ और पेनरोज से यह पूछा गया था कि क्या चेतना, कुछ मायने में, यहां सभी के साथ-साथ आध्यात्मिक दृष्टिकोण बनाए हुए हैं? "

उन्होंने जवाब दिया कि "यह एक संभावित पैडोरा के बॉक्स को खोलता है, लेकिन हमारा सिद्धांत इन दोनों विचारों को समायोजित करता है

## 43) Physicist

## 44) Voice over

Dr. हमरॉफ और पेनरोज के मुताबिक बहुत से लोगों ने पहले से ही तथाकथित "चेतना के क्वांटम सिद्धांत" "quantum theory of consciousness." के बारे में सुना है। यह सिद्धांत "आत्मा", "afterlife" के पारंपरिक धार्मिक विचारों को एकीकृत करने की एक विधि प्रस्तुत करता है और चेतना और शरीर के बीच के संबंधों के समकालीन वैज्ञानिक सिद्धांतों, व्यक्तिपरक धारणा और उद्देश्य जो कि भौतिक वास्तविकता के बीच चेतन आत्मा के अस्तित्व" की संभावना प्रस्तुत करता है। इस सिद्धांत के अनुसार, हमारी चेतना या जीवित मन या आत्म-जागरूक - energy-information के रूप में हमारे कथित 3-dimensional वास्तविक ब्रह्मांड से परे है। हमारे शरीर, जो निश्चित रूप से, 3-आयामी ब्रह्मांड के भीतर मौजूद है,

## 45) bk anchor

आधुनिक विज्ञान में आधुनिक वैज्ञानिक खोज के द्वारा वैज्ञानिकों चेतन आत्मा को आध्यात्मिकता सिद्धांत से समायोजित किया है और अध्यात्मिक और विज्ञानिक दृष्टिकोण को एक मायने में समझाने का प्रयास किया है जिसमें अध्यात्म और विज्ञानिक जगत सिद्धांतों के अनुसार हमारे अस्तित्व की संभावना प्रस्तुत करता है

46) physicist

47) voice over

ब्रिटिश भौतिक वैज्ञानिक Roser penrose ने दावा किया है कि इंसानी शरीर में आत्मा है जो शरीर के साथ नहीं मरती संसदीय रूप में उन्होंने यह सबूत पाया कि इस जानकारी को क्वांटम इंफॉर्मेशन कहते हैं

48) Bk anchor

वर्तमान वैज्ञानिक स्पष्टीकरण के आधार पर वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए सिद्धांत आध्यात्मिक दृष्टिकोण बनाए रखने में सभावना प्रस्तुत करते हैं और सांकेतिक रूप में science और spirituality के विचारों को समायोजित करते हैं आध्यात्मिक जगत में प्राचीन काल से ही दार्शनिकों और धर्म के अनुयायियों ने अपने-अपने विचार समय समय पर दिए हैं जो चेतन आत्मा की अस्तित्व को लेकर आदर्श दुनिया की ओर इशारा करते हैं

49) spiritual philosopher

50) voice over

सुकरात ने समझाया की अमर आत्मा शरीर से मुक्त होने के बाद अच्छे कर्मों के अनुसार पुरस्कृत की जाती है यह बुराई के लिए दंडित की जाती है सुकरात का विचार 470 से बीसी में आया और आत्मा के बारे में विचार ईसाई धर्म से पहले आया था तो 428 ईसापूर्व में मनुष्य के अस्तित्व को भौतिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में विभाजित कर दिया लेटर लिख दिया कि आत्मा अनंत है और आध्यात्मिक व आदर्श दुनिया में इसका पूर्ण अस्तित्व है

51) philosopher

52) Christian

53) Voice over

अगस्तइन 354 ईसापूर्व में आत्मा और मृत्यु की अमरता की समस्या का समाधान किया अगस्तइन मृत्यु के लिए शरीर का विनाश होता है परंतु जागरूक आत्मा या तो भगवान के साथ खुशहाल रहती है यह आत्मा से दूर एक दुखद स्थिति में रहती है

54) philosopher

55) Voice over

ब्रह्मविद्या (Theosophy) Helena Blavatsky Theosophy के अनुसार आत्मा हमारे मनोवैज्ञानिक गतिविधि सोच भावनाओं समृद्धि और तथाकथित असाधारण या मानसिक घटनाओं जैसे शरीर का बाहर का अनुभव है इसमें यह भी जिक्र है कि आत्मा अनंत और अविनाशी है

56) religious philosopher

57) voice-over

बुद्धिज्ञमें यह मानना रहा है की अविनाशी मानसिक प्रक्रिया है शरीर के मर जाने के बाद भी जारी रहती हैं और एक नया शरीर में पुनर्जन्म हो जाता है क्योंकि मानसिक प्रक्रिया है लगातार बदलती रहती हैं

58) Bk anchor

चेतन आत्मा के अस्तित्व को लेकर हर धर्म में अलग-अलग मान्यताएं हैं लेकिन अलग मान्यता होने पर भी चेतन आत्मा की अमर होने की अनेक धर्म में एक सामान्य विशेषता रही है आध्यात्मिक जगत के अनुसार चेतन आत्मा में मन द्वारा उत्पन्न विचार अविनाशी मानसिक क्रियाएं कही गई हैं

59) Voice over

विज्ञान ने भी यह पुष्टि एक विचित्र उद्धरण के रूप में प्रस्तुत की है कि यह मानसिक क्रियाएं रेडियो सिग्नल प्राप्त करने के तरीके जैसी ही हैं जो मानसिक प्रक्रिया हम आंतरिक क्षेत्र में अनुभव करते हैं वह भौतिक जगत से अलग है और इन मानसिक के परियों को एनर्जी इंफॉर्मेशन नाम दिया गया है

क्या हमारे मन के विचार वास्तविकता में एनर्जी हैं जो मस्तिष्क में इंफॉर्मेशन का कार्य करते हैं...?

60) scientist view about radio signals correlate with consciousness

61) voice over

यह energy-information हमारी consciousness में transfer होती हैं जैसे एक रेडियो स्टेशन के प्रसारण केंद्र से रेडियो सिग्नल प्राप्त करने के तरीके से होती हैं हम इन प्रसारणों या संकेतों को हमारे विचारों, भावनाओं, मानसिक चित्रों और मानसिक क्रियाओं के अन्य रूपों में अनुभव करते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, हम अपनी मानसिक गतिविधियों का अनुभव करते हैं, जैसे हमारे मन के भीतर भावनात्मक आंतरिक क्षेत्र में अनुभव करना जैसे कि हम रेडियो के भीतर से आने वाले आवाज सुनते हैं और रेडियो से बाहर आने वाले प्रसारण वास्तव में दूर प्रसारण स्टेशन से उत्पन्न होते हैं,

62) BK anchor

हमारे विचार और भावनाएं जो हमारे "मन" के अंदर से प्रकट होते हैं, वास्तव में एक वास्तविक क्षेत्र से आते हैं जहां हमारा वास्तविक मन स्थित है। मन और शरीर के बीच संबंधों का यह वैकल्पिक दृष्टिकोण 1 9वीं शताब्दी के रूप में प्रस्तावित किया गया था और संभवतः फ्रांसीसी दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता हेनरी बर्गसन द्वारा इस सिद्धांत के बारे में दिलचस्प यह है कि न्यूरोसाइंस और क्वांटम भौतिकी के सबसे अत्याधुनिक प्रायोगिक अवलोकन में दोनों के साथ-साथ धार्मिक शिक्षाओं के सबसे अविश्वसनीय पहलुओं को भी माना जा सकता है।

63) neurologist

64) physicist

65) voice over

यदि हमारा मस्तिष्क वास्तव में एक रेडियो की तरह काम करता है जो अंतरिक्ष के बाहर मन को अव्यवस्थित सूचनाओं को प्राप्त करने और अवधारणात्मक जानकारी प्रदान करता है मस्तिष्क की मृत्यु के पश्चाताप मन को मारा नहीं जा सकता है, जैसे रेडियो स्टेशनों से आने वाले रेडियो सिग्नल को खत्म नहीं किया जा सकता है।

66) bk anchor

कई विज्ञानिक उधारण द्वारा यह बात स्पष्ट है कि मन और मन के ऊर्जावान विचार कभी खत्म नहीं हो सकते जिस प्रकार रेडियो सिग्नल खत्म नहीं किए जा सकते इसी आधार पर एक स्पष्टीकरण सिद्ध है की आत्मा में मन अविनाशी विचारों को उत्पन्न करने की भूमिका निभाता है जोकि एनर्जी इंफॉर्मेशन है और इस एनर्जी इंफॉर्मेशन का अस्तित्व आत्मा के जन्म से पहले भी रहा है इससे संबंधित आत्मा के पूर्व अस्तित्व की विचारधारा को आगे रखने वाले दार्शनिक या धार्मिक विचारको अमर आत्मा के जन्म से पहले अस्तित्व होने की पुष्टि की है

67) christain philosopher

68) voice over

पश्चिमी ईसाई धर्म के सबसे प्रभावशाली शुरुआती ईसाई विचारकों में से एक Augustine ने आत्मा को शरीर पर शासन करने के लिए अनुकूलित बताया ईसाईयत में प्रमुख सिद्धांतों को आगे रखते हुए एक शब्द सवाल प्रदान किया है और प्रमुख सिद्धांतों को आगे रखा गया है जिसमें आत्मा के पूर्व अस्तित्व शामिल है आत्मा का जन्म से पहले भी अस्तित्व हो सकता है

Anthroposophy में Rudolf Steiner ने आत्मा को इंटेलेक्चुअल और माइंड सोल भी कहा है जिससे उन्होंने भावनाओं और सोच के साथ जोड़ा है और आत्मा को चेतन आत्मा व कॉन्जिशयस सोल कहां है

69)Philosopher

70) any scientist view about consciousness or brain reciver

71) bk anchor

आधुनिक विज्ञान का सबसे बड़ा प्रश्न यह है यदि मन ही चेतना का रिसीवर है और यदि चेतना मस्तिष्क का एक हिस्सा नहीं है, तो इसका मतलब यह होगा कि हमारे निरंतरता के लिए हमारे भौतिक शरीर का होना जरूरी नहीं हैं; जागरूकता हमारे शरीर के बाहर मौजूद हो सकती है।

72) voice over

इन प्रश्नों को पूछना हमारी वास्तविकता की वास्तविक प्रकृति को समझने के लिए मौलिक है, और क्वांटम भौतिकी को अधिक लोकप्रियता प्राप्त करने के साथ, चेतना के बारे में प्रश्न और मानव भौतिकता से उसके संबंध में चेतना का विषय तेजी से प्रासंगिक हो गया है।

73) Bk anchor

मैक्स प्लैंक, सैद्धांतिक भौतिक वैज्ञानिक को क्वांटम थिअरी के साथ श्रेय दिया गया - 1918 में फिजिक्स नोबेल पुरस्कार जीता जाने वाली एक उपलब्धि शायद समझदारी चेतना इतनी जरूरी क्यों है कि इसके लिए सबसे अच्छा स्पष्टीकरण दिया गया है: "मैं चेतना को मौलिक मानता हूं

74) physicist

75) voice over

"(स्रोत) यूजीन वाग्नर, एक सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी और गणितज्ञ के अनुसार "चेतना के संदर्भ के बिना पूरी तरह से सुसंगत तरीके से quantum mechanics के नियमों को तैयार करना" संभव नहीं है।

अब सवाल यही यह उठता है कि क्या चेतना मौत के बाद भी चलती है?

इस सवाल पर बहुत से लेख छप चुके हैं जैसे कि 2010 में, दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक, रॉबर्ट लान्ज़ा ने एक पुस्तक प्रकाशित की, जिसमें "Biocentrism: How Life and Consciousness are the Keys to Understanding The True Nature of the Universe

76) philosopher

77) physicist

78) voice over

(regenerative medicine) रेनेजरेटिव चिकित्सा में विशेषज्ञ और director of Advanced Cell Technology Company, Lanza में बहुत दिलचस्पी दिखाते हुये बायोसांड्रिकता के सिद्धांत को विकसित करने के लिए एक मार्ग पर प्रेरित किया जिसका सिद्धांत है कि जीवन और चेतना मौलिक हैं जो वास्तविक किसी की नकल या आधार पर न हो हमारी वास्तविकता की प्रकृति को समझना, और यह चेतना भौतिक ब्रह्मांड के निर्माण से पहले आती है।

79) biologist

80) bk anchor

बायोसांद्रिकता सिद्धांत का अर्थ है कि हमारी चेतना हमारे साथ नहीं मरती, परन्तु आगे बढ़ती है, और इससे पता चलता है कि चेतना मस्तिष्क का एक उत्पाद नहीं है। यह कुछ और पूरी तरह से है, और आधुनिक विज्ञान केवल यह समझने लगा है कि यह क्या हो सकता है।

81) voice over

quantum double slit experiment द्वारा बायोसांद्रिकता सिद्धांत को सबसे अच्छा समझाया गया है। यह एक बढ़िया उदाहरण है कि दस्तावेज यह दर्शाते हैं कि किसी तरह से चेतना हमारी शारीरिक भौतिक दुनिया से जुड़ी हुई है भौतिकवादी यह स्वीकार करने के लिए मजबूर हो रहे हैं कि ब्रह्मांड एक mental construction हो सकता है, और मानसिक गतिविधियों से जुड़ा हो सकता है पदार्थ के निर्माण में भी चेतना मौलिक भूमिका निभाती है।

82) biologist

83) Bk anchor

एक सिद्धांत यह है कि चेतना एक क्वांटम सूक्ष्म ऊर्जा है जो कि ब्रह्मांड में निरंतर समाहित है। सिद्धांत आइंस्टीन के प्रसिद्ध उद्धरण पर आधारित है, जब उन्होंने कहा: "ऊर्जा को बनाया या नष्ट नहीं किया जा सकता है, इसे केवल एक रूप से दूसरे रूप में बदला जा सकता है।" डॉ. हैमिल्टन ने कहा कि चेतना ब्रह्मांड में होती है और क्वांटम कणों के माध्यम से होती है, और जब आप पैदा होते हैं, तो इसे एक भौतिक अस्तित्व में रखा जाता है।

84) philosopher

85) scientist

86) bk anchor

डॉ। हैमिल्टन ने कहा: "मेरा मानना है कि हम पृथ्वी पर पैदा होने से पहले हम मौजूद होते हैं।" उन्होंने कहा: "हम में से प्रत्येक शुद्ध चेतना है, जो वर्तमान में एक शारीरिक मे केंद्रित है। इसका मतलब यह स्पष्ट है कि सूक्ष्म चेतना इस भौतिक शरीर को चलाती है चेतना प्रकृति के लिए मौलिक है - " चेतना समय और स्थान से परे है, डॉ। हैमिल्टन ने कहा है कि आप शुद्ध चेतना के रूप में मौजूद हैं, तो आपके जन्म के पहले ही अस्तित्व में होना चाहिए।

87) scientist

88) voice over

डॉ। रॉबर्ट लान्ज़ा की similar theory के मुताबिक कि हमारा mind ऊर्जा के माध्यम से विद्यमान हैं जो हमारे शरीर को नियंत्रित करता है और जब यह शरीर छोड़ जाता है तो भौतिक शरीर की प्रक्रिया को बंद कर देते हैं, तो वह 'बायोसेन्ट्रॉरिज्म' कहता है। जैसे, जब हमारा भौतिक शरीर मर जाता है, हमारी चेतना की ऊर्जा एक क्वांटम स्तर पर जारी रहती है। मस्तिष्क में न्यूरोकेमिकल प्रक्रियाओं की जांच में व्यक्तिपरक अनुभव महत्वपूर्ण होता है, और कुछ अंतर्दृष्टि भी प्रदान करता है। यह बताता है कि जब इस प्रकार का अनुभव हो रहा होता है तो 'वह' मस्तिष्क में चल रहा है। लेकिन यह साबित नहीं करता कि न्यूरोकेमिकल प्रक्रियाएं अनुभव को पैदा कर रही हैं।

89) bk anchor

बहुत से शोधकर्ता यह तर्क दे रहे हैं कि इंसानी शरीर में चेतन आत्मा है, जो मृत्यु के समय शरीर छोड़ जाती है। और मृत्यु के बाद भी अस्तित्व में रहती है इस बात पर वैज्ञानिक सम्मेलन होते रहे हैं और वार्तालाप के दौरान पुख्ता सबूत भी पाए गये हैं।

90) quantum physicist

91) voice over

मनुष्य की मृत्यु के बाद चेतना में सूक्ष्म जानकारी होती हैं जिसे quantum information कहते हैं। जैसे की हम पहले भी बात कर चूके हैं भौतिकी विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि रोगी मर जाता है तो यह संभव है कि यह quantum information शरीर के बाहर मौजूद हो सकती है

92) writer view about near death experience

93) voice over

निकट मृत्यु के बहुत से अनुभवों से यह स्पष्टीकर्ण मिलता है कि quantum information शरीर के बाहर मौजूद हो सकती है बुक्स और न्यूज़ में चर्चित रूप से रहे बहुत से near death experience हैं जो books में भी वर्णित किये गए हैं और इस बात को साबित करते हैं कि मृत्यु के बाद भी चेतना जीवित रहती है।

94) bk anchor

मानसिक प्रक्रियाएं (जैसे चेतना) और भौतिक प्रक्रियाएं (जैसे कि मस्तिष्क की घटनाओं) के बीच कोई संबंध हैं: लेकिन इस संबंध का आधार क्या होता सकता है और दो अलग-अलग प्रकार की प्रक्रियाओं के बीच क्या संबंध है? इस सवाल पर चर्चा करने वाला पहला प्रभावशाली कार्टेशियन द्वैतवादी दार्शनिक René Descartes. था, René Descartes. ने प्रस्तावित किया कि चेतना भौतिक चीज़ों से बिल्कुल भिन्न है,

95) voice over

डेसकार्ट्स ने चेतना की समस्या को पूरी तरह समझाया, कुछ बाद के दार्शनिकों ने अपने समाधान से कुछ संतुष्ट भी किया है, और pineal gland के बारे में उनके विचारों का विशेष रूप से उपहास किया गया है। हालांकि, कोई वैकल्पिक समाधान सामान्यत स्वीकार नहीं हुआ है। डुअलिस्ट समाधान जो चेतना के दायरे और मामले के दायरे के बीच डेसकार्ट्स के कठोर भेद को बनाए रखते हैं लेकिन अलग-अलग जवाब देते हैं कि कैसे दोनों क्षेत्र एक दूसरे से संबंधित हैं; आदर्शवादी जो मानते हैं कि केवल विचार या अनुभव वास्तव में मौजूद है जो कि स्वतंत्र और विचित्र है

96) philosopher

97) voice over

पूरे ब्रह्मांड को नियंत्रित करने वाले simple mechanical principles की दृष्टि से Newtonian science की शुरुआत के बाद से, कुछ दार्शनिकों ने विचार दिए कि चेतना को विज्ञानिक तरीके से समझाया जा सकता है। इस तरह के एक विचार को स्पष्ट रूप से प्रस्तावित करने वाले पहले प्रभावशाली लेखक, Julien Offray de La Mettrie, उनकी पुस्तक "मैन ए मशीन" (L'homme machine) में से थे। उनके तर्क, हालांकि, बहुत सार युक्त थे उनके मुताबिक चेतना सबसे प्रभावशाली modern physical theories psychology and neuroscience पर आधारित हैं। neuroscientists जैसे Edelman and Antonio Damasio द्वारा प्रस्तावित सिद्धांतों, और डैनियल डेनेट जैसे दार्शनिकों द्वारा, मस्तिष्क के भीतर होने वाली neural events के संदर्भ में चेतना की व्याख्या कर रहे हैं।

98) bk anchor

कुछ सैद्धांतिक भौतिकविदों तर्क देते हैं कि शास्त्रीय भौतिकी चेतना के पहलुओं को समझा पाने में आंतरिक रूप से वे असमर्थ हैं, लेकिन यह क्वांटम सिद्धांत लापता सामग्री प्रदान कर सकता है। चेतना को समझा सकता हैं

99) voice over

कई सिद्धांतकारों ने चेतना quantum mind (QM) theories of consciousness का प्रस्ताव किया है। इस श्रेणी में आने वाले उल्लेखनीय सिद्धांतों में holonomic brain theory of Karl Pribram और David Bohm, और Stuart Hameroff and Roger Penrose the Orch-OR theory शामिल हैं। इनमें से कुछ quantum mind (QM) theories of consciousness अभूतपूर्व चेतना के वर्णन के साथ-साथ चेतना की QM व्याख्याएं भी देते हैं।

100) bk anchor

वर्तमान समय में कई वैज्ञानिक और दार्शनिक इस बात पर विचार करते हैं कि quantum phenomena एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए कार्य कर सकता है। चेतना की "कठिन समस्या" के सामान्य प्रश्न के अलावा, मोटे तौर पर बोलते हुए, यह सवाल हैं मानसिक अनुभव कैसे उठता है??यह एक और अति विशिष्ट प्रश्न है

101) philosopher

102) Bk anchor

मस्तिष्क एक कंप्यूटर मशीन की तरह कार्य करता हैं और मशीन को चलाने के लिए किसी बाहरी ताकत की आवश्यकता होती है कोई भी मशीन अपने आप में किसी प्रकार की स्वतंत्र इच्छा नहीं रख सकती इसी कारण मनुष्य आत्मा के पास एक तार्किक संकाय है और एक स्वतंत्र इच्छा है जिसके आधार पर चेतना आत्मा मस्तिष्क से अलग है सभी अलग-अलग वैज्ञानिक और दार्शनिकों के विचारों में भेद रहा है लेकिन आत्मा की चेतन स्वतंत्रता एक अद्भुत प्रश्न है जिसे हर किसी ने अपने क्षेत्र में स्वीकार किया है और रहस्यमई बताया है

इसीलिए स्वतंत्र इच्छा का विषय science and spirituality के लिए इस पहली की गहरी परीक्षा है।

103) philosopher

104) bk anchor

कई दार्शनिकों ने चेतना के आंतरिक अनुभव को ही सार माना है, और यह भी मानना है कि आंतरिक अनुभव को केवल पूरी तरह से अंदर की भावनाओं से जाना जा सकता है, अगर चेतना व्यक्तिपरक है और बाहर से दिखाई नहीं दे रही है, तो अधिकांश लोगों का मानना यही है कि जब लोग किसी कार्य प्रति सचेत रहते हैं, तो यही चेतना का अनुभव होता है और यही चेतना होने का सबूत है

105) voice over

चेतना के बारे में दिए गए महान विचारकों जैसे सोक्रेट्स, प्लेटो और अरस्तू जैसे ग्रीक दार्शनिकों ने यही लिखा है कि आत्मा (ψυχή psūchê) के पास तार्किक संकाय हैं, यह अपनी नॉर्मल नेचुरल एबिलिटी लॉजिकल faculty है जिसका प्रयोग मानवीय क्रियाओं के लिए सबसे दिव्य है। चेतना से ही अनुभव पैदा होने का कारण बनता है यह निर्धारित करना हमारा अगला कदम है। एक बात निश्चित है, सभी जानकारी के साथ चेतना के अस्तित्व को मस्तिष्क से स्वतंत्र रूप से बताते हुए, यह हमारे वर्तमान ज्ञान के स्वीकार्य रूपरेखा की सीमाओं को आगे बढ़ने का सवाल है हम कौन हैं??

जन्म से पहले हम कहां थे?

मृत्यु के बाद कहां होंगे ??

आखिर मनुष्य आत्मा कहां से आई है ??

क्या आत्माओं की कोई दुनिया है?? जहां से आत्माएं आई हैं..?

106) BK anchor

कल्पना कीजिए कि मौत के बाद जीवन हैं और इस मुख्यधारा के वैज्ञानिक समुदाय द्वारा पुष्टि किए जाने पर - विज्ञान की हमारी समझ, और हमारे जीवन के दर्शन, धर्म और कई अन्य क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा इस बात पर कोई संशय नहीं किया जा सकता

